RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 1 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 9 जून 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

स्थापना के 48 वें वर्ष में प्रवेश

गीता उप्रेती

इस अंक के साथ ही 'पिघलता हिमालय' अपनी स्थापना के 48वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। शिव की तरह विष पीने, महाकाली की तरह दुष्टों का संहार, नन्दामाई की तरह अपनों पर विपदा से बचाने का उत्साह लिये 'पिघलता हिमालय' अखबारों की दुनिया में सीमान्त का निर्भीक हथियार है। वर्तमान में हर हाथ मीडिया की डोर के बावजूद अपनों को जोड़ने का जो संकल्प इसने लिया था वह पीढ़ियों ने देखा है। जीवन-जगत की सच्चाई को समझने वाले और समाज के ताने-बाने की बुनावट को जानने वाले इसके सभी इसके पाठक, साथी व सहयोगी हैं। समय की धारा में बहुत कुछ बदला है लेकिन जो नहीं बदला है वह है- अपनापन। इसी अपनेपन के कारण 'पिघलता हिमालय' को हिमालय की आवाज बनने का सौभाग्य मिला।

47 वर्ष पूर्ण 48 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए लग रहा है लम्बी दूरी तय करना आसान नहीं है। ऐसी दूरियां संकल्प होने पर ही पूरी की जा सकती हैं। अपने नाम के अनुरूप यह सन्देश भी है कि हिमालय हमें दृढ़ बनाता है। विज्ञान के इस युग में भी हिमालयवासी अपनी साध और साधना के बल पर मुकाम पाते रहे हैं। माँ नन्दा का आशीर्वाद हिमालय की दुर्गमता चखने वालों को हमेशा मिलता रहेगा। इसी दृढ़ता के साथ पिघलता हिमालय जन-जन की आवाज बन पाया है। आने वाला समय अत्यधिक कठिन है लेकिन नन्दामाई जिस दिशा को तय करेगी, वही अब करना है। ऐसे समय में जब पत्रकारिता को घेरने के लिये हर क्षण राजनीतिक दबाव होने लगे हैं, अपने मिशन पर चलने के लिये 'पिघलता हिमालय' दृढ़ है। यह सामाजिक, सांस्कृतिक पत्र के रूप में दिशा देने का कार्य करता रहेगा। ऐसे समय में जब हर क्षण होने वाली घटनाओं के साथ अफवाहों का डेरा चारों ओर फैला हुआ है। पत्रकारिता की आड़ में गिरोहबाजियाँ देखने को मिल रही हों, मिशन की पत्रकारिता पर सोचना भी कठिन है। लेकिन 'पिघलता हिमालय का संकल्प ही है कि एक लम्बी दूरी तय हुई है। इन वर्षों में अपने हिमालय, अपने समाज, इतिहास, भूगोल, कला संस्कृति पर जितना लिखा गया है वह एक दस्तावेज है।

1978 में स्थापित 'पिघलता हिमालय' ने संकल्प लिया था कि वह हिमालय की आवाज बनकर अपने मिशन पर चलेगा। स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया-स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती और उसके बाद स्व.कमला उप्रेती ने जिस भाव से हर विपरीत परिस्थितियों में इसे नियमित बनाये रखा वह उनका विचार-युद्ध भी था। किसी से समझौता किये बगैर अपनी धारा में बने रहना बहुत कठिन होता है लेकिन उनकी बात और व्यवहार था ही ऐसा, वह गलत को गलत कहने में डरने वाले नहीं थे। ऐसे तेवर बिकाऊ रहे पत्रकारों में नहीं हो सकते। आज की चाटुकार पत्रकारिता में पत्र और पत्रकार बेईमान बनते जा रहे हैं। समाचार पत्रों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाये जाने लगे हैं। प्रिंट मीडिया को इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया से भिड़ना सा पड़ रहा है। पत्रकार होने का दम्भ भरने वाले सही को भी डरा रहे हैं। अपने आडम्बर के लिये सही-गलत की पहचान नहीं कर पा रहे हैं। हर पल की खबरों का ऐलान करते कई पत्रकार चौराहों पर खड़े हैं। कारोबारी, कामकाजी, अधिकारी-कर्मचारी, नेतागण सब सहमे हैं कि कौन किस रूप में ब्लैकमेलिंग करने लगे। मोबाइल फोन उठाये कौन राह चलते वीडियो बनाने लगे। ऐसे में आम जनता कैसे तय कर सकती है कि कौन पत्रकार है और कौन ब्लैकमेलर?

इन सबके अलावा सरकार द्वारा जिस प्रकार की सुविधा की बात कही जाती है, वह नहीं है। अपने मिशन पर चलने वालों के लिये नये नियम सजा लगने लगे हैं। ऐसे हालातों में देशभर में कई पुराने समाचार पत्र बन्द हो रहे हैं क्योंकि पत्रकारिता का पैमाना ऐसे उद्योग के रूप में बदल रहा है जो केवल शोषण की परिभाषा जानता है। यह सबको डराने का साध न बनने लगा है। इसे संचालित करने के लिये साधन भी चाहिये जो आसान तरीके से नहीं जुट पाते हैं।

इन सारे हालातों को देख कहा जा सकता है कि उन समाचार पत्रों के सामने घनघोर संकट है जो मिशन पर अडिग हैं। बावजूद 'पिघलता हिमालय' अपने आप में दृढ़ है और ऐसे हालातों में बहुत आशा नहीं करता है और सबकुछ भगवती, नन्दामाई के ऊपर छोड़ दिया है। क्योंकि यह ईमानदार लड़ाई या विचार है, जो अपने पाठकों, शुभचिन्तकों के स्नेह-सहयोग से आज तक जारी है।

जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी

कनौली में गैलपातल

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम

अपनों के मिलन का समारोह भी है

कार्यालय प्रतिनिधि

बागेश्वर/हल्द्वानी। जोहार सांस्कृतिक एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा इस बार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कनौली में गैलपातल का वृहद आयोजन किया गया। समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विगत वर्षों में विभिन्न स्थानों में लगातार जिस प्रकार के आयोजन किये गये हैं उसने सामाजिक चेतना का काम भी किया है। गेलपातल यानी सघन वृक्षारोपण के इस आयोजन के बहाने प्रतिवर्ष अपनों के मिलन का समारोह भी नया अनुभव देता है। उन स्थानों पर दूर-दराज से लोग जाकर जुटते हैं जहाँ काफी पलायन हो चुका है। इस बार का आयोजन बागेश्वर के दूरस्थ क्षेत्र कनौली में जबर्दस्त उत्साह दे गया है। शामा से 12 किमी दूरी पर कनौली में गैलपातल के दौरान स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शैक्षिक व रंगारंग कार्यक्रमों में खासा उत्साह देखा गया। मुख्य कार्यक्रम ग्रामवासियों व विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा वृहद पर्यावरण रैली और वृक्षारोपण था। पौध रोपण आयोजन में डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया का विशेष सहयोग रहा। कनौली में आयोजन से पूरी पिण्डर घाटी में सांस्कृतिक एकजुटता का सन्देश गया है।

आयोजन के लिये सोसाइटी के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह पांगती, देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, डी.एस.पांगती ने सभी का आभार प्रकट किया है। आयोजन में डी.एस.मर्तोलिया, नरेन्द्र सिंह टोलिया, कैलाश धर्मशक्तू, भूपेश पांगती, डॉ.पी.एस.मर्तोलिया, भूपाल सिंह मर्तोलिया सहित तमाम लोग थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

अंकिता हत्याकाण्ड : बात न्याय की हो न कि श्रेय लेने की होड़

उत्तराखण्ड के बहुचर्चित अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में कोटद्वार की अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी ने हत्याकाण्ड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य और सहयोगियों सौरभ भास्तकर तथा अंकित गुप्ता को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय के फैसले के दौरान कोटद्वार में जबर्दस्त प्रदर्शन हो रहा था और आरोपियों को फांसी देने की मांग के साथ ही इस काण्ड में लिप्त वाआईपी का सुराग लगाने की आवाज उठती रही। अंकिता के माता-पिता ने मीडिया के सामने न्याय को अधूरा बताते हुए कहा कि वह दोषियों को अपनी आंखों के सामने फांसी पर देखना चाहते हैं। इसके लिये वह न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे।

इस प्रकरण में 32 महीने चल चली सुनवाई में 47 गवाह कोर्ट में परीक्षित कराए गए। फैसले के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पहाड़ की बेटी को न्याय दिलाने के लिये सरकार सक्रिय रही। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा सत्ता पर आने पर वीआईपी को पाताल से भी ढूंढकर निकालेंगे। कांग्रेस के नेता गणेश गोदियाल ने कहा कि अंकिता को अधुरा न्याय मिला है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा वीआईपी की पहचान सार्वजनिक करने की मांग उठाई है।

वर्ष 2022 में हुए अंकित हत्याकाण्ड को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई थी और सामान्य परिवार से आने वाली एक ऐसी बालिका जो अपने सपनों को उड़ान देना चाहती थी उसे बुझा दिया गया। उसके न्याय के लिये प्रदेश और देश में आवाज उठी। इस समय जबकि सरकार पीठ थपथपा रही है कि दोषियों को सजा जनता की जीत है, जनता सड़कों पर प्रदर्शन कर रही है। सजा के बाद दोषी जिस प्रकार हाथ हिलाते हुए जा रहे थे उससे लग रहा है कि उनमें कोई खौफ नहीं है। इन सारी स्थितियों में कहा जा सकता है कि फिलहाल न्याय मिल गया है। लेकिन इस मामले में श्रेय लेने की होड़ छोड़कर इसके अन्य दोषियों को ढूंढकर सजा दिलवाई जाए।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

आतंकवाद साझा समस्या

न्यूयॉर्क। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय सांसदों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक में जाकर आतंकवादी हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी। थरूर ने पहलगाव आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि आतंकवाद साझा समस्या है, मिलकर मुकाबला करें।

कोविड-19 दिल्ली-महाराष्ट्र में संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली और महाराष्ट्र में कोविड-19 के मरीजों की संख्या बढ़ी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नके कोविड-19 डैशबोर्ड के अनुसार उपचाराधीन मरीजों की संख्या सौ करीब है। स्थिति नियंत्रण में है। सभी से सावधानी बरतने को कहा गया है।

सौ पर्वतारोही सम्मानित

काठमाण्डू। हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर एडमण्ड हिलोरी और तेनजिंग नोर्गे द्वारा पहली सफल चढ़ज़ई की याद में सौ से अधिक पर्वतारोहियों को सम्मानित किया गया जिसमें दस भारतीय थे। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री पाण्डे ने इस अवसर पर कहा कि हमें अगली पीढ़ियों के लिए पहाड़ों की देखभाल व सुरक्षा करनी चाहिए।

अमेरिका ने पढ़ाई छोड़ने पर चेतावनी दी

नई दिल्ली। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने अमेरिका में पढ़ाई कर रहे अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों को आगाह किया कि यदि वे अपने संस्थान को सूचित किये बिना पढ़ाई छोड़ देते हैं, कक्षाओं में शामिल नहीं होते हैं या अपने अध्ययन कार्यक्रम को छोड़ देते हैं तो उनका छात्र बीजा रद्द किया जा सकता है।

चीन के रासायनिक संयंत्र में विस्फोट

बीजिंग। चीन के एक रासायनिक संयंत्र में हुए विस्फोट में 5 लोगों की मौत हो गई और 6 अन्य लापता बताए जा रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार सरकार के स्वामित्व वाली शांदोग यूदओं केमिकल में यह विस्फोट हुआ। यह कीटनाशक क्लोरपाइरोफोन के विश्व के सबसे बड़े उत्पादकों में शामिल है।

बांग्लादेशियों के अपरहण में 5 पकड़े

काठमाण्डू। नेपाल पुलिस ने एक कथित अपहरण गिरोह का भण्डाफोड़ कर 5 भारतीय नागरिकों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार नेपाल में फिरौती के लिये बांग्लादेशी पर्यटकों को बन्धक बनाने के मामले में संलिप्त थे।

फसक

दाज्यू, कुकुरयोव बढ़ती ही जा रही ठैरी

खुलेआम ताल और बलात पर बोलने की हिम्मत भी नहीं है बल

दाज्यू, मंत्री-बड़े नेता-अफसर जब खुल्लम खुल्ला मौज कर लें तो समझ लो दुनिया समय के साथ घूम रही है। घपलत सोशल मीडिया का वीडिया दिखाते हुए खिलखिला रहा था और बोला- 'ये देखो खुलेआम चौड़ी सड़क पर नेता कैसे पिल पड़ा है।' दाज्यू, हमें कुछ कहना ही नहीं आ रहा है कि दुनिया में क्या हो गया है? कुकुरयोब बढ़ती ही जा रही ठैरी। राह चलते माननीय मुरब्बा बनाने लगे.....। खुलेआम ताल और बलात पर बोलने की हिम्मत भी नहीं है बल। दाज्यू, कौन बोलेगा? सरकार अपनी ही ठैरी।

हल्द्वानी के मुखानी थाना क्षेत्र में अपनी ही बेटी को धमका कर दरिंदगी करने वाले बाप को की रिपोर्ट माँ ने लिखाई है। इसी इलाके में फास्ट फूड का ठेला लगाने वाले ने नाबालिक से दुष्कर्म किया और अब गर्भवती होने पर मामला पकड़ में आया। आरोपी पकड़ा गया है। दाज्यू, रुद्रपुर के ट्राजिट कैम्प क्षेत्र में भी आये दिन बबाल मचता रहता है और बाबलों की टोली उधम काटती है। विवाहिता के साथ जबरन दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है।

खटीमा के टेढ़ाघाट के पास जंगल में महिला का अधजला शव बदामद होने से सनसनी फैल गई। विवाहिता अनीता के पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जाँच हो रही है। यहीं दूरस्थ ग्राम की महिला ने पास के युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत की है कि उसने दुष्कर्म कर पुत्री को गर्भवती कर दिया। पुलिस की जाँच में एक काम और बढ़ चुका है। दाज्यू, खटीमा में एक और ही मामला है जिसमें तीन महिलाओं सहित 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। प्रेम प्रसंग में युवक की मौत पर कहा जा रहा है कि उसे जगह देकर मारा था। शहर की बालिका को लालकुआ के किशोर ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर होटल में बुला कर गजबज कर दी बल। अब मुकदमा झेल रहा है। चम्पावत जिले में नाबालिग बहन से दुष्कर्म के दोषी युवक को कोर्ट ने 25 साल की सजा सुना दी है। उधर रुद्रपुर में भी नाबालिग का अपहरण करने का आरोपी पुलिस ने दबोच लिया। दाज्यू, पुलभट्टा थाना अन्तर्गत क्षेत्र से लापता नाबालिक और आरोपी को भी किच्छा पुलिस ने बरेली के मीरगंज से पकड़ लिया है बल। इस बीच तीन छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी शिक्षक जेल भेज दिया गया है। सीमान्त की बंगापानी तहसील के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तैनात विज्ञान शिक्षक का मामला है दाज्यू।

देहरादून की रानीपुर सीट से भाजपा विधायक आदेश चौहान, उनकी भान्जी इन्सपेक्टर दीपिका और सेवानिवृत्त इन्सपेक्टर राजेन्द्र सिंह रौतेला को झूठे साक्ष्य गढ़ने और दीपिका के ससुर को अवैध हिरासत में रखने के मामले में सजा हुई है। दाज्यू, दीपिका और उनके पति के बीच नहीं बनी तो दहेज उत्पीड़न का मामला बनाया था बल। दाज्यू, अपनी ताल जोर से ठोकने के लिये क्या कुछ होने लगे पता नहीं।

दाज्यू, योग-ध्यान-ज्ञान सब धरा रह गया है क्योंकि जूतमपैजार हाबी है। केदारनाथ धाम में हेलीकॉप्टर से पहुँचे यात्री को दर्शन के लिये मन्दिर ले जाते एक हेली स्टाफ कर्मी की पुलिस कर्मी के साथ हाथापाई हो गई। इसके बाद हेली कर्मियों और पुलिस के बीच गुत्थम गुत्था होती रही। दाज्यू, कोई भरोसा नहीं कब जूतमपैजार होने लगे। इसकी जगह भी तय नहीं है। सड़क, पार्क, मन्दिर, घाट, स्कूल, होटल.....हर जगह चौकन्ने रहो। घोर कलजुग में अल्मोड़ा के पटवारी गाँव कनगाड़ी में बेटे ने माँ को कुल्हाड़ी से काट डाला।

दाज्यू, साइबर ठगी में एमबीपीजी हल्द्वानी छात्र संघ का पूर्व उप सचिव करन आरोड़ा पकड़ा गया है। एक बेकरी वाले से करोड़ की रकम खाते में डलवा दी थी बल। मामले में छात्र नेता सहित 12 पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हो चुका है। दाज्यू, सब कुछ धुंआधार हो रहा है। पुलिस ने नकली गोल्ड लोन लेने का भण्डाफोड़ कर दो दबोच लिए। दाज्यू, उमस के मारे हाल बेहाल है। बरसात की तड़का बीच-बीच में रहा है लेकिन उससे ज्यादा उबाल गरमी का है। प्रोफेसर मुनरुवा अपने स्थानान्तरण के लिये धनिया-पोदीना बो आया है बल। किसे कौन समझाए कि अला-बला का घेरा नहीं होना चाहिये।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

आयुध निर्माणी स्टेट में बैठक

संगठन की 93वीं वर्षगांठ पर विसंगति दूर करने की मांग

देहरादून। आयुध निर्माणी स्टे में संगठन की 93वीं वर्षगांठ पर एक ओर मिष्ठान वितरण हुआ तो दूसरी ओर सभा करते हुए विसंगति दूर करने की आवाज भी उठी।

प्रशासन द्वारा संठन के 93वीं वर्षगांठ पर मिष्ठान वितरण व केके काटने की रश्म की। गोष्ठी में कहा गया कि 1932 में पुणे में इस संगठन को बनाने वाले सदस्यों की लगन और मेहनत से अंग्रेजी प्रशासन के समय यह संगठन बना और अपने सदस्यों की बात बराबर अंग्रेज सफसर के आगे रखते रहे। उन महानुभावों की बुनियाद यह संगठन है जिसकी 93 वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयवर्धन रेड्डी, राष्ट्रीय महासचिव अजय जी कोलकाता से मण्डल दादाजी कानपुर से सचान जी के साथ वर्चुअल मीटिंग में बताया गया कि 93वीं वर्षगांठ विचार करने वाली है। आज जिस मोड़ पर आए दिन निर्माणी के कर्मचारी को डेपुटेशन में रखा गया है और डेपुटेशन 31 दिसम्बर 2025 तक है उससे पहले ऑप्शन फॉर्म भरना टीम डेपुटेशन में रहना या कॉर्पोरेट में रहना यह बात कर्मचारियों को तय करनी है। संगठन का मानना है कि हम प्रसार भारती मॉडल का काम करना चाहते हैं और कॉर्पोरेट के अधिकारी हर तरह का प्रलोभन देना इत्यादि प्रक्रिया अपनाएंगे, इससे सावधान रहना है। और प्रचार भारती मॉडल की बात करनी होगी, हम रक्षा मंत्रालय में भर्ती हुए थे और इसी से सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। बैठक में कहा कि सातवें वेतन आयोग की विसंगतियां दूर की जाएं तब जाकर आठवां वेतन आयोग की बात हो। अभी सातवें वेतन आयोग की विसंगतियां दूर नहीं हुई हमारे कैडर में और हमारे कार्यक्षेत्र में जो भी विसंगतिया हैं उनको दूर करना है। प्रतिदिन संख्याबल में कटौती हो रही है और वर्कलोड बढ़ रहा है। संविदा तौर पर संख्या बल बढ़ावा देने की बात हो रही है।

इस बात को सचिव अजय जी लगातार रक्षा मंत्रालय तक रख रहे हैं और उनका असर भी होना है। इस बात पूरे देश में अपने संगठन के सदस्यों तक पहुंचाया गया है। बैठक में अध्यक्ष गिरीश उप्रेती, सचिव फिरोज खान, उमाशंकर शर्मा, बी.पी. ममगांई, सौम्या नायक, ध मेंन्द्र, अनिल कुमार रामचन्द्र, सुनील कश्यप, आलोक प्रदीप, अनिल वर्मा, रणवीर तोमर, सुरेन्द्र सिंह, शंकर रंजन कुमार, विनीत मौर्य, कृष्ण कुमार, संजय चौहान, राकेश कुमार ने अपने विचार रखे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लालिमा

पहाड़ों की सुन्दरता में चार चाँद लगा रहा है बुराँश

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

देवभूमि की सुंदरता में चार चाँद लगाने वाला बुरांश पर्वतीय अँचलों में खिलने लगा है. जिससे पर्वतीय क्षेत्रों के जंगलों की नजारा बेहद खूबसूरत नजर आ रहा है. जो देवभूमि के लोकगीत, साहित्य, संस्कृति और सौन्दर्य को खुद में समेटे हुए है। औषधीय गुणों से भरपूर बुरांश के फूल को उत्तराखण्डी संस्कृति में भी अहम स्थान रखता है। जिसका वर्णन प्रसिद्ध कवि सुमित्रनान्दन पन्त ने अपनी कविताओं में भी किया है। उन्होंने कविताओं में लिखा है कि बुरांश की जैसे कोई दूसरा सुन्दर वृक्ष नहीं है।

भारत में बुरांश के पेड़ उत्तराखण्ड और हिमांचल प्रदेश में 1800-3600 मीटर की मध्यम ऊँचाई वाले मध्य हिमालयी क्षेत्र में पाये जाते है। उत्तराखण्ड सरकार ने बुरांश को राज्य वृक्ष घोषित किया है। नेपाल में बुरांश के फूल को राष्ट्रीय फूल का औहदा हासिल है। बुराँश सदाबहार पेड़ है। बुराँश के पेड़ भारत के अलावा नेपाल, बर्मा, श्रीलंका, तिब्बत, चीन, जापान आदि देशों में पाये जाते है।

प्रजाति और ऊँचाई के आधार पर बुराँश के फूलों का रंग भी अलग-अलग होता है। सूर्ख लाल, गुलाबी, पीला और सफेद। ऊँचाई बढ़ने के साथ बुराँश का रंग भी बदलता रहता है। कम ऊँचाई वाले इलाकों में बुराँश के फूल का रंग लाल होता है। जबकि अधिक ऊँचाई वाले इलाकों में बुराँश के फूल का रंग सफेद होता है। बसंत और फूल एक-दूसरे के पूरक हैं। जहाँ फूल हैं, वहाँ बारहों महीने बसंत है। बसंत है, तो फूल हैं। उत्तराखण्ड के हरे-भरे जंगलों के बीच चटक लाल रंग के बुरांश के फूलों का खिलना पहाड़ में बसंत ऋतु के यौवन का सूचक है। बसंत के आते ही इन दिनों पहाड़ के जंगल बुरांश के सूर्ख लाल फूलों से मानो लद गये हैं। बुरांश बसन्त में खिलने वाला पहला फूल है।

बुराँश उत्तराखण्ड के लोक जीवन में रचा-बसा है। बुराँश महज बसंत के आगमन का सूचक नहीं है, बल्कि सदियों से लोक गायकों, लेखकों, कवियों, घुम्मकड़ों और प्रकृति प्रेमियों की प्रेरणा का स्रोत रहा है। प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपने संस्मरणों में बुरांश का सुन्दर चित्रण किया है। गढ़वाली और कुमाऊंनी लोकगीतों और लोककथाओं में भी बुरांश के फूल के विभिन्न रूपों का वर्णन किया गया है। कई भूले-बिसरे लोक गीत एकाएक स्वर पा जाते है- 'उ कुमू य जां एक सा द्यूं प्यार सवन धरती मैं, उ कुमू य जां कुन्ज, बुंरूस, चम्प, चमेलि, दगड़ै तुलनी।' बुराँश का खिलना प्रसन्ता का द्योतक है। बुराँश का फूल यौवन और आशावादिता का सूचक है। प्रेम और उल्लास की अभिव्यक्ति है। बुराँश का फूल मादकता जगाता है। बुराँश रहित जंगल कितने उदास और भावशून्य हो जाते है। इस पीडा को लोकगीतों के जरिये बखूबी महसूस किया जा सकता है।

बसन्त ऋतु में जंगल को लाल कर

देने वाले इस फूल को देखकर नव विवाहिताओं को मायके और रोजी-रोटी की तलाश में पहाड़ से पलायन करने को अभिशप्त अपने पति की याद आ जाती है। अपने प्रियतम् को याद कर वह कहती है- 'अब तो बुरांश भी खिल उठा है, पर तुम नहीं आए।'

बुराँश ने लोक रचनाकारों को कलात्मक उन्मुक्तता, प्रयोगशीलता और सौंदर्य बोध दिया। होली से लेकर प्रेम, सौंदर्य और विरह सभी प्रकार के लोक गीतों के भावों को व्यक्त करने का जरिया बुराँश बना। पहाड़ के लोक गीतों में सबसे ज्यादा जगह बुराँश को ही मिली है। एक पुराने कुमाऊँनी लोक गीत में जंगल में झक खिले बुराँश को देख मां को ससुराल से अपनी बिटिया के आने का भ्रम होता है। वह कहती है- (वह) उधर पहाड़ के शिखर पर बुरूंश का फूल खिल गया है। मैं समझी मेरी प्यारी बिटिया हीरू आ रही है। अरे! फूले से झक-झक लदे बुरूंश के पेड़ को मैंने अपनी बिटिया हीरू का रंगीन पिछौड़ा समझ लिया। गढ़वाल के प्रसिद्ध कवि चन्द्रमोहन रतूड़ी ने नायिका के होठों की लालिमा का जिक्र कुछ यूं किया है- 'चोरिया कना ए बुरासन ओंठ तेरा नाराणा।' यानि 'बुराँश के फूलों ने हाय राम तेरे ओंठ कैसे चुरा लिये।' संस्कृत के अनेक कवियों ने बुराँश की महिमा को लेकर श्लोकों की रचना की है। छायावादी कवि सुमित्र नन्दन पन्त भी बुराँश के चटक रंग से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। उन्होंने बुराँश पर यह कुमाऊँनी कविता लिखी थी- 'सार जंगल में त्वें जस क्वें न्हा रें क्वें न्हां फूलन छे के बुरूंश जंगल जस जली जां। सल्ल छ, दयार छ, पई छ, अंयार छ। सबनाक फागन में पुग्नक भार छ। पे त्वी में ज्वानिक फाग छ। रंगन में त्यार ल्वे छ, प्यारक खुमार छ।' भावार्थ यह कि 'सारे जंगल में तेरा जैसा कोई नहीं रे, कोई नहीं। जब तू फूलता है, जंगल के जलने का भ्रम होता है। जंगल में साल है, देवदार है, पईया है, और अयार समेत विभिन्न् प्रजातियों के पौधें हैं। सबकी शाखाओं में कलियों का भार है। पर तुझमें जवानी का राग है। तेरे रंगों में लौ है, प्यार का खुमार है।

चौड़ी पत्ती वाला वृक्ष होने के नाते बुराँश जल संग्रहण में मददगार है। पहाड़ी इलाकों के जल स्रोतो को जिन्दा रखने में बुराँश के पेडो़ का बड़ा योगदान है। इनके पेडो़ की जड़े भू-क्षरण रोकने में भी असरदार मानी जाती है। बुराँश का खिला हुआ फूल करीब एक पखवाड़े तक अपनी चमक बिखेरता रहता है। बाद में इसकी एक-एक कर पंखुड़िया जमीन पर गिरने लगती है। पलायन के चलते वीरान होती जा रही पहाड़ के गाँवों की बाखलियों की तरह। दुर्भाग्य से पहाड़ में बुराँश के पेड़ तेजी के साथ घट रहे हैं। अवैध कटान के चलते कई इलाकों में बुराँश लुप्त होने के कगार पर पहुँच गया है। नई पौधें उग नहीं रही है। जानकारों की राय में पर्यावरण की हिफाजत के लिए बुराँश का संरक्षण जरूरी है। अगर बुराँश के पेड़ों के कम होने की मौजूदा गति जारी रही तो आने वाले कुछ सालों के बाद बुराँश खिलने से इंकार कर देगा।

ज्योतिष की बातें- 232

29 मई 2025 को वक्र गति से केतु स्पष्टमान से शत्रुराशि सिंह में प्रवेश कर गया है। केतु जब-जब किसी अन्य ग्रह से युति करेगा तब-तब वह उस ग्रह के फल भी प्रदान करेगा अन्यथा अकेला रहने पर अपने ही फल स्वतन्त्र रूप से जातकों को प्रदान करता है। फलदीपिका के अनुसार त्रिषडाय भावों में केतु शुभ होता है। अत: अगले डेढ़ वर्ष केतु शारीरिक बलिष्ठता, राजनीति, सट्टा-लाटरी एवं छल-कपट आदि अपने कारक विषयों में मिथुन, मीन व तुला राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा। अन्य सभी राशियों को यत्किंचित् कष्ट की अनुभूति होगी।

12 जून 2025 को गुरु मिथुन राशि में पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएगा अत: अगले 25 दिन राशि के अनुसार गुरु से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अब जातकों को प्राप्त नहीं होंगे । साथ ही अगले 25 दिन गृहप्रवेश आदि शुभकार्य तथा विवाह आदि संस्कार भी स्थगित रहेंगे।

15 जून 2025 को सूर्य मिथुन राशि प्रवेश करेगा जह पर गुरु से युति भी होगी अत: सूर्य में उग्रता कुछ कम रहेगी। अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, सम्मान, सफलता आदि अपने कारक विषयों में मेष, मकर, कन्या व सिंह राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा। अन्य जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 122

छात्र आगे क्या पढ़ें

आजकल उच्चशिक्षा के विषयों का चयन करना एक समस्या हो गई है। छात्र चाहते हैं कि ऐसे विषय लिए जाएं जिसमें शीघ्र ही नौकरी मिल जाए और लाखों करोड़ों का पैकेज मिल सके। उनको यह समझना चाहिए कि करोड़ों का पैकेज करोड़ों छात्रों में से किसी एक को ही मिलता है। सामान्य लोग तो 5-7 लाख के पैकेज में ही जीवन व्यतीत करते हैं। सभी छात्र इस समय टेक्निकल या मेडिकल फील्ड में जाना चाहते हैं, कमाई के स्वार्थ के कारण। जबकि सैकड़ों डाक्टरों, इंजीनियरों में कोई एक दो ही समाज में प्रतिष्ठित हो पाते हैं। माता-पिता भी अपनी इच्छा अपने बच्चों से पूरी करना चाहते हैं। जो पिता आईएएस नहीं बन सका वह अपने बेटे को जबरदस्ती आईएएस बनाना चाहता है। जो पिता आईआईटी में दाखिल नहीं ले सका था वह अपने बच्चे का आईआईटी में दाखिला कराना चाहता है। लोग अपनी महत्वाकांक्षाओं को अपने बच्चों के माध्यम से पूरा करना चाहते हैं। इस प्रकार वे जाने-अनजाने में अपने बच्चों का बचपन और युवावस्था भी छीन लेते हैं। यदि समाज का वातावरण देखकर, आर्थिक स्वार्थ में आकर और माता-पिता की महत्वाकांक्षाओं के कारण छात्र अपनी रुचि के विपरीत विषयों का चयन करते हैं तो भविष्य में वे परेशान ही रहते हैं। मेरे विचार से छात्रों को स्वयं ही अपनी प्रकृति, प्रवृत्ति, स्वभाव और रुचि पर साथ ही क्षमताओं पर भी ध्यान देना चाहिये और उसी के अनुसार उच्चशिक्षा के लिए विषयो का चयन करना चाहिए। इससे आगे के जीवन में अवश्य ही सफलता मिलती है। **-ओंकार नाथ कोष्टा**

जल एवं जीवन

विक्रम सिंह परिहार

रहिमन पानी राखिए,
बिन पानी सब सून,
पानी गए न उबरै
मोती मानुष चून।

कवि रहीम ने इस दोहे के माध्यम से जल की उपयोगिता को बताया था लेकिन वर्तमान समय में जल की उपयोगिता और भी बढ़ गयी है जल की उपलब्धता के कारण ही प्राणियों में जीवन सम्भव है कहा भी जाता है जल ही जीवन है वायु के बाद जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्थान जल का है इसलिए जल संरक्षण हेतु प्रभावी कदम उठाया जाना आवश्यक है।

जल संकट के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है इसलिए अपने अस्तित्व की ही नहीं पृथ्वी की रक्षा के लिए जल संकट का समाधान शीघ्र किया जाना आवश्यक है वरना बहुत देर हो जाएगी जल संकट की समस्या पहाड़ों में भी बढ़ती जा रही है। पहाड़ों में जल के प्रमुख साधन नदी, पोखर, नौला, धारा, गधेरा आदि है जिनमें से आज बहुत से स्रोत सूख गए हैं या सूखने की कगार में है। नदी का जल स्तर साल दर साल कम होता जा रहा ग्लेसियर धीरे-धीरे सिमटता जा रहा। गाँव के धारा नौला सब सूख रहे हैं। यदि जल स्रोत इसी प्रकार सूखते गए तो पानी के अभाव में जीवन बहुत ज्यादा कष्टदायक होगा या गाँव से पलायन ही एकमात्र विकल्प रह जायेगा। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के कारण प्रकृति का संतुलन बिगाड़ा है समस्त जीव जंतुओं में श्रेष्ठ प्राणी होने के कारण जल संरक्षण की सम्पूर्ण जिम्मेदारी भी मनुष्य को ही लेनी पड़ेगी। मेरे विचार से जल प्रदूषण के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं अब हमें पूरी ईमानदारी से सरकार के साथ मिलकर जलसंरक्षण हेतु कारगर प्रयास किये जाने की आवश्यकता है जिनमें से कुछ प्रभावी उपाय जंगलो के कटान को रोका सख्ती से रोका जाय, पेड़ लगाने के साथ साथ उसे बचाने हेतु प्रयास किये जाय, पर्यावरण प्रदूषण को बचाने हेतु निरंतर स्वछता अभियान चलाया जाए। धारा एवं नौला के आस पास बांज, बुरांश आदि जल संरक्षित करने वाले बृक्ष लगाये जाएं, गाँव के बंजर भूमि में पोखर तालाब बनाया जाएं, जिसमें वर्षा का जल संरक्षित हो सके, घरों में पानी के अनावश्यक बर्बादी को रोकने हेतु समाज को जागरूक किया जाए, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कीड़ा जड़ी दोहन हेतु हजारों लोग जाते हैं जो बहुत ज्यादा मात्र में पालीथिन का प्रयोग कर इन क्षेत्रों में प्रदूषण को बढ़ाने हेतु जिम्मेदार हैं इनमें जागरूकता फैलाकर इन क्षेत्रें में स्वछता अभियान चलाया जाए, इन समस्त छोटे छोटे प्रयासों से जल संकट से बचा जा सकता है हमें समय रहते इसके लिए कारगर प्रयास करना ही होगा तभी हम पहाड़ एवं पहाड़ में जीवन को बचाने में सफल होंगे। (सहा.अध्यापक)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मंगल को बन्द रहेगा सितारगंज बाजार

सितारगंज। प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल की बैठक में व्यापारियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया कि हर मंगलवार को सितारगंज में पूरा बाजार बन्द रहेगा। साप्ताहिक बन्दी के रूप में निर्णय के दौरान व्यापार मण्डल के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल सहित व्यापारी मौजूद थे।

गोरीगंगा पर हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट मंजूर

देहरादून। हाइड्रो पावर सेक्टर में केन्द्र ने प्रदेश को बड़ी सौगाद दी है। लम्बे समय से अटकी 120 मेगावाट की रूपसियाबगड़ जलविद्युत परियोजना को केन्द्र की वन सलहाकार समिति ने मंजूरी दी। इसके लिये सीएम धामी ने प्रधानमंत्री का आभार जताया है। गोरीगंगा नदी पर 120 मेगावाट क्षमता की सिरकारी भ्योल रूपसियाबगड़ जलविद्युत परियोजना के क्रियान्वयन के लिये 29997 हेक्टेयर वनभूमि हस्तान्तरण के प्रताव पर मंजूरी दौ है।

एसएसजे अल्मोड़ा राजनीति का अड्डा बना, जमकर हंगामा

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय बनने के साथ राजनीति का बड़ा अड्डा बना हुआ है। कुमाऊं विश्वविद्यालय के परिसर से अलग होकर जैसे ही अल्मोड़ा को एसएसजे विवि बनाया गया इसमें राजनीति का द्वन्द भयंकर हो चुका है। पठन-पाठन के रूप में विश्वविद्यालय संभल नहीं पा रहा है लेकिन हंगामे नम्बर एक बना हुआ है। इससे जुड़े तमाम कालेजों में परीक्षाफल सुधार को लेकर विद्यार्थी जूझ रहे हैं। परीक्षाओं को भी जैसे-तैसे करवाया जा रहा है। एसएसजे विवि के कैम्पस बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत बना दिये गये थे, उनका हाल भी इसी से समझा जा सकता है। जब मुख्य स्थान पर ही हंगामेबाजी हो रही है तो अन्य जगह कितनी व्यवस्था बन पाई होगी।

अब ताजे मामले में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय को लेकर एसएसजे परिसर में गोष्ठी की गई थी। विधि संकाय में हो रही गोष्ठी में भाजपा जिलाध्यक्ष सहित तमाम लोग जुटे। इस आयोजन की भनक लगते ही कांग्रेस सहित अन्य छात्र संगठनों ने जबर्दस्त विरोध किया और कहा पठन पाठन का स्तर सुधारने के बजाय पार्टी विशेष के कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं। विरोध कर रहे छात्रों ने संकाय गेट पर ताला लगा कर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे ऐसे में कार्यक्रम में पधारे राज्य स्तरीय जलागम परिषद के उपाध्यक्ष रमेश सिंह गड़िया को दूसरे गेट से प्रवेश करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि हो रही गोष्ठी पार्टी विशेष का आयोजन है। विरोध प्रदर्शन देखते हुए परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस तरह के राजनैतिक कार्यक्रमों से पढ़ाई बाधित हो रही है। कहा लगभग हर महीने इस तरह के आयोजन हो रहे हैं और लाखों रुपयों की बर्बादी की जा रही है। इससे एसएसजे परिसर का माहौल खराब किया जा रहा है। प्रदर्शन करने वालों में युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव गोपाल भट्ट, प्रदेश महासचिव एनएसयूआई अमित बिष्ट, पवन मेहरा, विक्रम सिंह रावत, सुधांशु रौतेला, गोलू सत्याल, देव मिश्रा, पंकज कार्की आदि थे।

जागेश्वर में अतिक्रमण हटाया

दन्या। जागेश्वर में व्यापारियों और पुजारियों के आरोप के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया। शिकायत मिली थी कि कुछ युवकों द्वारा प्रसाद बेचने के नाम पर अवैध वसूली व अभद्रता की जा रही है। व्यापार मण्डल अध्यक्ष मुकेश भट्ट ने कहा कि किसी भी प्रकार की अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ईको टूरिज्म को बढ़ावा देंगे

लोहाघाट। वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्याम नारायण ने लोहाघाट का दौरा करते हुए रायनगर के चौड़ी के पास ईको हट बनाने के चयनित स्थान का निरीक्षण किया। उन्होंने ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने की बात कही।

नैनीताल शहर का सर्वे होगा

नैनीताल। भूस्खलन की मार झेल रहे शहर में शीघ्र बहुत प्रतीक्षित सर्वे होगा। शासन स्तर पर उत्तराखण्ड भूस्खलन शमन और प्रबन्धन केन्द्र के विशेषज्ञों की टीम शहर व आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं पर अध्ययन करेंगे। सर्वे के बाद शहर के भूस्खलन समेत अन्य क्षेत्रों का पूरा रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जा सकेगा, ताकि रोकथाम हो सके।

एनएच ने तुड़वाया घटिया निर्माण कार्य

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राजमार्ग के पास सुयाल नदी तल से दीवार निर्माण व एकरिंग कार्य की गुणवत्ता पर लोगों के सवाल उठने के बाद एनएच के अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण करते हुए घटिया निर्माण कार्य को तुड़वाया। साथ ही निर्माणदायी संस्था को चेतावनी दी।

बेरीनाग में कलमट खुलेंगे!

बेरीनाग। मानसूनकाल में आपदा से निपटने की तैयारियों का बताया जा रहा है लेकिन सड़क में किन स्थानों पर कलमट घेरे जा चुके हैं विभाग को पता नहीं हैं। बरसात में घरों में पानी भर जाने की समस्या कैसे ठीक किया जा सकेगा यह सवाल है। पूरा शहर इस बात पर आश्चर्य कर रहा है कि घेरे गये कमलटों को विभाग नहीं देख पा रहा है।

चहज में अस्पताल खोलने की मांग

गंगोलीहाट। तहसील मुख्यालय से 32 किमी की दूरी पर स्थित चहज में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

सामाजिक कार्यकर्ता पूरन चन्द्र जोशी ने रजिस्टर्ड डाक द्वारा ज्ञापन भेजते हुए कहा कि 25 हजार की आबादी को उपचार के लिये अस्पताल व बैंक जैसी सुविधा मिलनी चाहिये।

परिक्रमा

तल्लाबगड़ में मोटर पुल खतरा बना है

जौलजीवी। जौलजीवी-झूलाघाट मार्ग पर जौलजीवी से दो किमी दूर भैरवकुचच्चा के पास नाले में क्षतिग्रस्त मोटर पुल खतरा बना हुआ है। 6 माह पूर्व खोलाध्यार की ओर से आने वाले नाले ने भैरवकुच्चा के पास इस पुल को क्षतिग्रस्त कर दिया था। पुल की मरम्मत आज तक न होने से क्षेत्रवासियों में रोष है।

नारायण सिंह तड़ागी का निधन

चम्पावत। चम्पावत संघर्ष समिति से जुड़े 80 वर्षीय नारायण सिंह तड़ागी का गत दिवस निधन हो गया। जिला बनाओ आन्दोलन के अलावा तड़ागी जनमुद्दों को लेकर हमेशा सक्रिय रहे। पिघलता हिमालय परिवार स्व. नारायण सिंह तड़ागी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

युवा व्यापारी खुशाल कार्की का निधन

गंगोलीहाट। नगर के युवा व्यापारी खुशाल सिंह कार्की उर्फ बबलू का असमय निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। अचानक पेट दर्द के बाद उन्हें उपचार के लिये ले जाते समय दम तोड़ दिया। हिमालय परिवार स्व. खुशाल को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

द्रोण सागर भूमि पर कब्जे का आरोप

काशीपुर। श्री डमरू वाले बाबा मन्दिर सेवा ट्रस्ट ने उपजिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर तीर्थ स्थल द्रोण सागर की भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। आरोप लगाया है कि काशीपुर डेवलपमेंट फोरम चैयरमैन ने सरकारी भूमि पर फर्जी तरीके से कब्जा कर निर्माण कार्य कर लिया है।

ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि 9 जुलाई 2021 को केडीएफ के नाम एक रजिस्ट्री कराई गई थी। रजिस्ट्री में खसरा नम्बर 70 मिन की भूमिदिखाई गई, जो शम्भूनाथ की निजी भूमि है। आरोप है कि केडीएफ चैयरमैन ने धोखा कर सरकारी भूमि खसरा संख्या 69 मिल, जो कि तीर्थ द्रोण सागर का हिस्सा है, पर कब्जा कर लिया। ट्रस्ट के अनुसार दानदाता ने रजिस्ट्री जिस स्थान की तस्वीरें प्रस्तुत की वह भूमि खसरा नं. 70 मिन की न होकर सरकारी भूमि 69 मिन की हैं। आरोप है कि बिना शासन की अनुमतिके कार्यालय और पक्की दीवार का निर्माण करा लिया है, जो गोविषाण टीले से करीब सौ मीटर के अन्दर ळै। इस अवसर पर संस्थानक अध्यक्ष अजय कुमार चौळान, अध्यक्ष अक्षय कुमार नायक उपस्थित थे।

ऐपण थीम पर होगी हल्द्वानी की सजावट

हल्द्वानी। हल्द्वानी-काठगोदाम में सड़क चौड़ीकरण सहित चौराहों का फैलाव और सुन्दरीकरण का जो कार्य हो रहा है उसमें काफी बदला-बदला शहर दिखना शुरू हो चुका है। अब इसकी सजावट के लिये 'ऐपण थीम' पर जोर दिया जा रहा है। नगर निगम ने काठगोदाम एयरोड्रम रोड, तिकोनिया व अन्य सड़कों में ऐसा प्रयोग शुरू कर दिया है।

डीएम वन्दना सिंह के निर्देशानुसार हल्द्वानी को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिये बाजारों को एक थीम में सजाया जा रहा है। नगर निगम ने काठगोदाम व राजपुरा कैन्ट के पास एयरोड्रम रोड की दुकानों को ऐपण की थीम पर सजाने का काम कर डाला है। कहा जा रहा है कि वीवीआईपी हेलीपैड से निकलते ही सबसे पहले एयरोड्रम रोड पर पहुंचते हैं, फिर तिकोनिया होते हुए काठगोदाम सर्किट हाउस की ओर मूवमेंट होता है। इसलिये प्रथम चरण में काठगोदाम कॉलटैक्स, तिकोनिया में नगर निगम की दुकानों, एयरोड्रम रोड की दुकानों की सजावट की गई है। दूसरे चरण में चौड़ीकरण के की जद में आ रहे चौराहों को लिया जायेगा। कालाढूंगी रोड में भी सजावट को बजट मांगा गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिये दावेदारी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी को जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नया चेहरा देखने को मिलेगा। इसके लिये तीन दावेदारों की चर्चा हो रही है। जून में प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा सम्भावित है जिसमें हल्द्वानी के मेयर गजराज बिष्ट, पूर्व मंत्री बलवन्त सिंह भौरियाल और केदार जोशी की दावेदारी है। वैसे वर्तमान अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, बृजभूषण गैरोला, विधायक विनोद चमोली, खजानदास, अनिल नौटियाल, आशा नौटियाल, सतीश लखेड़ा के नाम को लेकर भी लम्बे समय से बातचीज होती रही है। माना जा रहा है कि पार्टी के महासचिव दुष्यन्त गौतम के संकेत के बाद प्रदेश कमेटी सतर्क है और किसी भी समय चुनावी फर्राटा चल सकता है। भाजपा का यह चुनाव जनवरी में हो जाना था परन्तु निकाय चुनाव के कारण संगठनात्मक चुनाव को टाल दिया गया। इसके बाद भी देरी होती रही है।

डीडीहाट जिला कांग्रेस की प्राथमिकता

डीडीहाट। नगर पालिका के नागरिक अभिनन्दन और न्याय यात्रा के लिये डीडीहाट पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि डीडीहाट जिला बनाना कांग्रेस की प्राथमिकता में है। कहा 2027 में सत्ता पर आते ही कांग्रेस डीडीहाट जिला बनाएगी। उन्होंने नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर विजय दिलाने पर नगर के मतदाताओं को आभार जताया। उन्होंने आने वाले पंचायत चुनाव और उसके बाद विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट देकर ब्लाक प्रमुख और विधायक बनाने की अपील की।

इससे पूर्व डीडीहाट पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरदा का भव्य स्वागत किया। रामलीला मैदान में हुई सभा में नगर पालिका चैयरमैन गिरीश चुफाल, सभासद सुजाता देवी, दीपक शाही, कविन्द्र शाही, नईम बख्स, सिमरन धपवाल का नागरिक अभिनन्द किया गया। इस अवसर पर पूर्व विस अध्यक्ष गोविन्द कुन्जवाल, धारचूला विधायक हरीश धामी, आनन्द रावत, पूर्व विधायक ललित फर्स्वान थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

--------स्मृतियाँ--------

नेत्र सिंह पांगती 'जोहारी'

डॉ.यशवन्त सिंह धर्मशक्तू

'पिघलता हिमालय' अपनी स्थापना के 48वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस समय तक की अनगिनत यादें इसमें जुड़ी हैं। अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गज लोग इससे आजीवन जुड़े रहे। अपना सहयोग-सुझाव-समर्पण करने वालों की यादें हमेशा मानस पटल पर होती हैं। ऐसी ही दो विभूतियों का स्मरण किया जा रहा है-

स्व.नेत्र सिंह पांगती जिन्हें 'जोहारी' के नाम से जाना जाता है, अग्रणीय समाजसेवी के रूप में याद किये जाते हैं। पिघलता हिमालय के वरिष्ठ सहयोगी के रूप में आप हमेशा अपने अमूल्य सुझाव के अलावा देहरादून में किसी भी तरह के झंझावात में ढाल बनकर खड़े हो जाते थे। अपने समाज के लोगों की सुधबुध लेने के अलावा पहाड़ की पीड़ा को जितनी गहराई से जानते थे, उतना ही त्वरित समाधान आपके पास था। हर तीज-त्यौहार पर आपके पत्र आते रहे और पिघलता हिमालय का हर अंक आपके पास दस्तावेज की तरह संजोया गया। आपके बताए रास्ते पर आपके परिजन आज भी परम्परा को बनाए हुए हैं। डिफेन्स कलोनी दून में आपके परिजन निवास करते हैं।

स्व. यशवन्त सिंह धर्मशक्तू चिकित्सक के अलावा महान समाजसेवी रहे हैं। जोहार घाटी के सबसे पहले एमबीबीएस के रूप में जिन दो लोगों ने एक ही वैच में स्थान पाया उनमें कर्नल चन्द्र सिंह रावत और डाक्टर यशवन्त सिंह धर्मशक्तू का नाम है। स्व. धर्मशक्तू की लम्बी सेवा उत्तर रेलवे में रही लेकिन वह जिन स्थानों पर भी रहे हमेशा पिघलता हिमालय की रफ्तार को बढ़ाते रहे। वह सच्चे चिकित्सक थे, जब भी किसी यात्रा पर निकलते हर आने-जाने वाले की कुशल पूछते और चिकित्सा सम्बन्धी परामर्श व अपनी ओर से दवा भी देते। समाज के लिये हर पल चौकन्ने डाक्टर साहब के पत्र व हस्तलिखित मनीआर्डर पत्र आज भी पिघलता हिमालय कार्यालय में उनकी याद दिलाते हैं।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न. 8958525979, 9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी

देहरादून। 21 जून को आयोजित होने जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की राष्य स्तरीय तैयारियां हो रही हैं। इस बार भराड़ीसैंण विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दस देशों के राजदूत संग योग करेंगे। निदेशक आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवाएं डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बर्ष भी 21 जून को योग दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जायेगा।

यादें शेष

लाल सिंह बृजवाल, मनोहर सिंह पांगती, मोहन लाल पप्पू लाला कुन्दन गिरी

मुनस्यारी। बीते दिनों में हिमनगरी से दु:खद सूचनाएं प्राप्त हुई। क्षेत्र के प्रतिष्ठि व्यापारी लाल सिंह बृजवाल का निधन हो गया। व्यापारी कवीन्द्र सिंह 'कब्बू' के पिता लाल सिंह जी बेहद सामाजिक थे। क्षेत्र के जानेमाने ठेकेदार मनोहर सिंह पांगती का अल्प बीमारी के उपरान्त निधन हो गया। दृष्टि व सुभानू अस्पताल के संस्थापक डॉ.एन.एस.पांगती के बड़े भाई मनोहर सिंह हमेशा अपनों बीच नेतृत्व की भूमिका में रहे। नगर के व्रूापारी मोहन लाल देवल पप्पू लाला और कुन्दन गिरी लफड़ा का निधन भी सबको दु:ख गया। पिघलता हिमालय परिवार अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

प्रोफेसरों पर जुर्माना, चर्चा जारी

देहरादून। हाईकोर्ट की खण्डपीठ ने प्रोफेसर पदनाम 11 मई 2019 के स्थान पर वर्ष 2015से देने के सम्बन्ध में दायर याचिका पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रो.हरिओम सिंह व विजय प्रकाश श्रीवास्तव पर 25-25 हजार का जुर्माना लगाया। हरिओम रा. महाविद्यालय दुगनाकुरी में प्राचार्य और विजय प्रकाश वाणिज्य विषय में श्रीदेवसुमन विवि के ऋषिकेश परिसर में कार्यरत हैं। कोर्ट के निर्णय के बाद से प्रोफेसरों को लेकर चर्चा जारी है कि आखिर उच्चशिक्षा में कैसा-कैसा हो रहा है।

टीडीसी संपत्ति मामले में प्रदर्शन

रुद्रपुर। टीडीसी निविदा पर घोटाले का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन हुआ है। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के बाद अब संयुक्त किसान मोर्चा ने भी टीडीसी नीलामी मामले में आवाज उठाते हुए कहा कि निदेशक मण्डल ने अंश धारकों को सूचना दिए बगैर खुर्दबुर्द किया है। एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए ऐलान किया कि घोटाले की सीबीआई जांच नहीं हुई तो वृहद स्तर पर महापंचायत होगी और उग्र आन्दोलन किया जायेगा। संयुक्त मोर्चा के नेता रजिन्दर सिंह विर्क, करम सिंह पड्डा, हरेन्द्र सिंह लाडी, जगतार सिंह बाजवा, बल्ली सिंह चीमा सकहित बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'पिघलता हिमालय' स्थापना के 48वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

Saraf Publik School

Lohia Head Road Khatima (U.S.Nagar)

'पिघलता हिमालय' स्थापना के 48वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

समीर सिंह नायक

टनकपुर

'पिघलता हिमालय' स्थापना के 48वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

Dynasty Modern Gurukul Academy

Chhinki Farm Khatima (U.S.Nagar)

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION	LIVE MUSIC	HOMELY FOOD	BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station Munsiari

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)